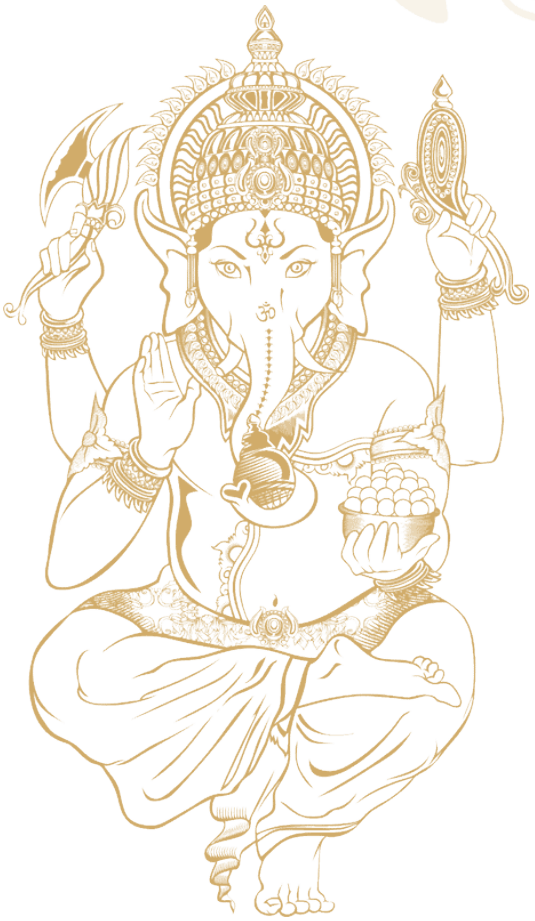

Apurv

Shivani Parganiha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119580202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/10/1997	जन्म तिथि	31/12/1997
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 15:16:00	जन्म समय	16:18:00 घंटे
घटी 23:50:17	जन्म समय(घटी)	24:54:38 घटी
India	देश	India
Kharagpur	स्थान	Bhilai
22:23:00 उत्तर	अक्षांश	21:13:00 उत्तर
87:22:00 पूर्व	रेखांश	81:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:19:28	स्थानिक संस्कार	-00:04:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:53	सूर्योदय	06:41:34
17:04:27	सूर्यास्त	17:33:05
23:49:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:40

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 6मा 3दि	09:38:40	मीन	लग्न	वृष	29:41:54	सूर्य 0वर्ष 8मा 17दि
गुरु	13:10:53	तुला	सूर्य	धनु	15:58:06	राहु
04/05/2018	01:53:15	तुला	चंद्र	मक	08:24:35	19/09/2015
04/05/2034	28:50:34	वृश्चि	मंगल	मक	16:30:20	18/09/2033
गुरु 21/06/2020	23:32:56	तुला	बुध	वृश्चि	24:20:30	राहु 01/06/2018
शनि 03/01/2023	19:04:25	मक	गुरु	मक	28:18:21	गुरु 25/10/2020
बुध 09/04/2025	00:03:54	धनु	शुक्र व	मक	09:40:51	शनि 01/09/2023
केतु 16/03/2026	21:32:38	मीन व	शनि	मीन	19:54:45	बुध 20/03/2026
शुक्र 14/11/2028	25:03:46	सिंह व	राहु व	सिंह	18:33:46	केतु 07/04/2027
सूर्य 03/09/2029	25:03:46	कुंभ व	केतु व	कुंभ	18:33:46	शुक्र 07/04/2030
चन्द्र 03/01/2031	11:01:11	मक	हर्ष	मक	13:15:43	सूर्य 02/03/2031
मंगल 09/12/2031	03:28:54	मक	नेप	मक	05:05:43	चन्द्र 31/08/2032
राहु 04/05/2034	10:33:51	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:55:02	मंगल 18/09/2033

लग्न-चलित

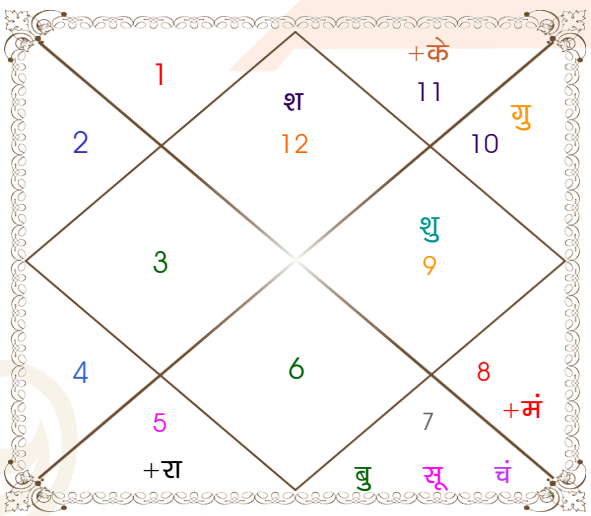

लग्न-चलित

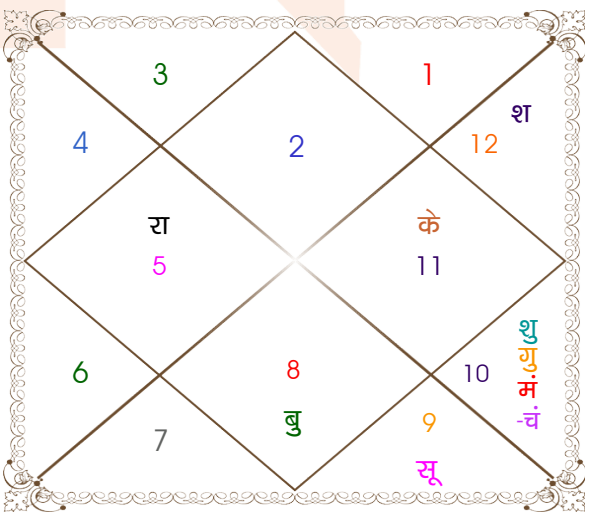

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member
All India Federation Of Astrologers Society
Professor colony Raipur Chhattisgarh
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

।चनतअ का वर्ग मृग है तथा ौपअंदप च्तहंदपीं का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।चनतअ औरौपअंदप च्तहंदपीं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।चनतअ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ौपअंदप च्तहंदपीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

।चनतअ तथा ौपअंदप च्तहंदपीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member
All India Federation Of Astrologers Society
Professor colony Raipur Chhattisgarh
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com